आज का सार

वित्त एवं कार्पोरेट कार्य राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने 'चलता है का रवैया' पीछे छोड़ दिया है और 'बदल सकता है' की दृष्टि अपना ली है और यह सुनिश्चित किया गया है कि प्रौद्योगिकी के लाभ कुछ गिने चुने लोगों तक ही सीमित न:न रहे बल्कि समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे।

सार समाचार

चीन में भूस्खलन से मृतकों की संख्या 24 हुई

बीजिंग, शिन्हुआ। चीन के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत गुईझोउ में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 24 हो गयी और 27 लोग अभी भी लापता हैं। स्थानीय प्रशासन ने यह जानकारी दी। बचाव दल ने आज अभी तक तीन बच्चों समेत नौ और शव बरामद किये हैं। क्षेत्र में भूस्खलन के बाद खोज एवं बचाव अभियान अभी जारी है। इससे पहले रिपोर्टों में गुरुवार को भूस्खलन की वजह से मरने वालों की संख्या 15 और लापता लोगों की संख्या 30 बताई गई थी।

गत मंगलवार को गुईझोउ में दो स्थानों पर भूस्खलन की घटना घटी थी। जांच में पता चला है कि भूस्खलन प्रभावित इलाके में 22 मकानों में 77 लोग रहते थे। जब यह आपदा घटी उस समय आठ आगंतुक और कर्मचारी वहां रह रहे थे।

आपातकालीन बचाव मुख्यालय के अनुसार शुक्रवार अपराह्न जब भूस्खलन हुआ उस समय 23 स्थानीय लोग बाहर गये हुए थे जबकि 11 लोग भूस्खलन में घायल हो गये थे उन्हें स्थानीय अस्पतालों में भर्ती किया गया। लापता लोगों की तलाश के लिए बचावकर्मी अभी भी खोज अभियान चलाये हुए है। गोरतलब है कि मंगलवार को लियुपंशुई शहर के एक गांव में रात 0920 बजे भूस्खलन हुआ जिसके कारण 21 मकान जमींदोज़ हो गये।

15 आतंकी ढेर, सात पुलिसकर्मियों की मौत

काबुल, शिन्हुआ। अफगानिस्तान के दो प्रांतों में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच हुई झड़पों में 15 आतंकवादी मारे गए हैं जबकि आतंकवादियों के हमले में सात पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी है।

अधिकारियों ने इन झड़पों की पुष्टि करते हुए शुक्रवार को बताया कि इसमें सात पुलिसकर्मियों की भी मौत हो गई।

गजनी प्रांत की प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता हरीफ नूरी ने बताया कि तालिबान ने खोगयानी जिले के एक पुलिस स्टेशन पर हमला कर दिया जिसमें तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई जबकि चार आतंकवादी मारे गए। इसके अलावा दक्षिणी कंधार प्रांत में एक सुरक्षा चौकी पर तालिबान के आतंकवादियों ने हमला कर दिया। इस हमले में चार पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में 11 तालिबानी आतंकवादी मारे गए।

अमेरिका के भारत के साथ संबंध और मजबूत हो रहे हैं

वाशिंगटन ■ भाषा

व्हाइट हाउस ने कहा है कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध बेहद अच्छे हैं तथा ये और मजबूत हो रहे हैं। व्हाइट हाउस के सलाहकार केलियाने कॉनवे ने संवाददाताओं के उस सवाल के जवाब में यह बात कही जिसमें भारत सरकार ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की इस बात को सिरे से खारिज कर दिया है कि मोदी ने कश्मीर मामले पर उनसे मध्यस्थता का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा, ''हमारे (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी और भारत सरकार के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं और ये संबंध और मजबूत हो रहे हैं।''

विदेश विभाग द्वारा गुरुवार को की गई एक अलग ब्रीफिंग के दौरान यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका की कश्मीर नीति में बदलाव हुआ है, प्रवक्ता मॉर्गन आर्टागस ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

उन्होंने कहा, "हां, राष्ट्रपति के बयान से इतर कहने के लिये मेरे पास कुछ नहीं है।"

ट्रम्प ने इस सप्ताह की शुरुआत में यह कहकर भारत को स्तब्ध कर दिया था कि मोदी ने उनसे कश्मीर मामले पर मध्यस्थता का अनुरोध किया है।

इसके तुरंत बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि मोदी ने कभी ऐसा कोई अनुरोध नहीं किया और कश्मीर के मामले पर दोनों नेताओं के बीच कभी कोई बात नहीं हुई। भारत ने कहा है कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मामला है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने गुरुवार को नयी दिल्ली में कहा कि यह "आगे बढ़ने" का वक्त है और भारत-अमेरिका संबंध बेहद मजबूत बने हुए हैं। कुमार ने कहा कि इस विवाद को अब विराम दे दिया जाना चाहिए क्योंकि भारत ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है और अमेरिकी विदेश विभाग ने मुद्दे पर त्वरित स्पष्टीकरण भी दे दिया है।

भारत और पाकिस्तान को कश्मीर मुद्दे का समाधान वार्ता के जरिए करना चाहिएः चीन

बीजिंग, भाषा। चीन ने शुक्रवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान को कश्मीर मुद्दे सहित अन्य मामलों का समाधान शांतिपूर्वक वार्ता के जरिए करना चाहिए। हालांकि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच रिश्ते में सुधार लाने में भूमिका निभाने के लिए अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय का समर्थन किया। चीन की यह प्रतिक्रिया कश्मीर मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सोमवार को दी गई प्रतक्रिया के बाद आयी है। सोमवार को ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के व्हाइट हाउस दौरे के दौरान कश्मीर मुद्दे पर 'मध्यस्थता' करने की पेशकश की थी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनियिंग ने कहा कि पाकिस्तान और भारत का पड़ोसी होने के नाते चीन चाहता है कि दोनों देश आपस में सद्भावना के साथ रहें। अपने बयानों के लिए विवाद में रहने वाले ट्रंप ने दावा किया था कि भारत के प्रधानमंत्री ने उनसे जापान के ओसाका में हुए जी20 सम्मेलन के दौरान कश्मीर मामले में मध्यस्थता की अपील की थी। हालांकि भारत ने ट्रंप के दावे से इनकार करते हुए कहा कि मोदी ने कश्मीर मामले को लेकर इस तरह का आग्रह कभी नहीं किया और कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच का द्विपक्षीय मामला है ।

बंगलादेश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कनाडा से मांगी शरण

ढाका ■ वार्ता

बंगलादेश के पूर्व मुख्य नयायाधीश सुरेंद्र कुमार सिन्हा ने जजों के खिलाफ संसद को ज्यादा ताकतवर बनाने के राजनीतिक हस्तक्षेपों को नकारने के बाद अपनी जान पर खतरे की आशंका जताते हुए कनाडा से शरण मांगी है।

श्री सिन्हा (68) को नवंबर 2017 के बाद अमेरिका में तीन माह के लिए पद से निलंबित कर दिया गया था। बताया जाता है कि एक संविधान संशोधन को लेकर बंगलादेश सरकार न्यायपालिका पर दबाव डाल रही थी जिसे मानने से इंकार के बाद श्री सिन्हा को निलंबित किया गया था।

मुस्लिम बहुल देश के पहले हिंदू मुख्य न्यायाधीश रहे श्री सिन्हा चार जुलाई को कनाडा के फोर्ट इरी में पहुंच चुके है तथा वहां उन्होंने शरणार्थी दावा भी पेश किया है।

गौरतलब है कि इसी माह बंगलादेशी मीडिया ने रिपोर्ट जारी किया कि भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश तथा बैंक के एक अधिकारी समेत 10 अन्य लोगों पर अधिकारों के दुरूपयोग, गबन तथा धन शोधन के मामले में आरोप दर्ज किया।

मीडिया के पूछे जाने पर भी आयोग ने कभी भी इन आरोपों के आधारों का खुलासा नहीं किया जबकि श्री सिन्हा इन आरोपों से साफ इंकार किया है। गत वर्ष मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने न्यायपालिका में बंगलादेश सरकार के बड़ते हस्तक्षेप पर चिंता जताई थी। श्री सिन्हा के प्रस्थान का हवाला देते हुए संगठन ने कहा कि मानवाधिकार रक्षकों को अक्सर परेशान करने और डराने तथा लोगों को जबरन पदों से हटाने का सिलसिला जारी है। मीडिया के अनुसार कनाडा में बंगलादेश के उच्चायुक्त ने श्री सिन्हा के आरोपों का सिरे से खंडन किया है।

लीबिया में नाव दुर्घटना, 150 लोगों के मरने की आशंका

त्रिपोली, वार्ता। लीबिया के तट के पास करीब 300 लोगों से लदे दो नावों के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण कम से कम 150 लोगों की मौत होने की आशंका है। लीबिया में अंतरराष्ट्रीय प्रवासी संगठन के प्रवक्ता सफा मसेहली ने कहा कि गुरुवार को त्रिपोली से 100 किलोमीटर दूर खोम्स शहर के पास दोनों नाव डूब गयीं। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने भी इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह हादसे से सदमे में हैं। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, "लीबिया तट के पास हुई नौका दुर्घटना में करीब 150 लोगों का मारा जाना दुखद एवं भयावह है। हमें शरणार्थियों और प्रवासियों को सुरक्षित और कानूनी मार्ग उपलब्ध कराना होगा। बेहतर जीवन की तलाश में भटकने वाले प्रत्येक प्रवासी सुरक्षा और प्रतिष्ठा पाने का हकदार है।" लीबिया तटरक्षक बल के प्रवक्ता अयूब कासिम ने कहा कि दुर्घटना में डूबे 300 लोगों में से 134 को बचा लिया गया है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय प्रवासी संगठन ने गुरुवार को जारी ट्विटर पोस्ट में कहा कि इस हादसे में 150 से अधिक लोगों के डूबने की आशंका व्यक्त की थी जबकि 145 लोगों को बचाया गया। बाद में बचाये गये लोगों को लीबिया भेजा गया।

पेज एक का शेष...

हांगकांग में चीन कितना बरदास्त करेगा?

बुनियादी रूप से हांगकांग को एक देश की सीमाओं और अपनी कानून व शासन प्रणाली के रूप में काफी स्वायत्तता मिली हुई है। इसमें स्वतंत्र असेंबली सहित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे नागरिक अधिकार भी हैं। लेकिन धीरे-धीरे हांगकांग को चीन का हिस्सा बनने की कीमत चुकानी पड़ी। ध्यान रहे हांगकांग के विदेश और रक्षा संबंधी सारे अधिकार यों भी चीन को मिले ही हुए है।

हांगकांग और वहां के नागरिकों ने अपनी पहचान चीन के साथ नहीं बल्कि एक अलग देश के रूप में कायम रखी और इस पर लोगों को गर्व भी है। अपनी अलग पहचान साबित करने के लिए ही इस देश के लोग हर साल एक जुलाई को (इसी दिन ब्रिटेन ने चीन को यहां की सत्ता सौंपी थी) हांगकांग के निवासी अपने अधिकारों के लिए मार्च निकालते हैं। मतलब हांगकांग की स्वतंत्र असेंबली और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मसला नागरिकों के लिए गौरव है तो चीन के लिए चुनौतीपूर्ण।

फिलहाल प्रत्यर्पण कानून को लेकर चीन के खिलाफ प्रदर्शन अब रोज की बात हैं। हालांकि इस प्रस्तावित बिल को फिलहाल किनारे कर दिया गया है लेकिन आंशकाएं अभी भी कायम है। प्रदर्शन की अगुआई में नौजवान पीढ़ी है। हांगकांग की नौजवान पीढ़ी का रूख दुनिया के लिए प्रेरणादायी हो गया है। इन्होने 2014 में पहली बार शांतिपूर्ण आंदोलन छेडा था। इसे- अंब्रेला मूवमेंट- के रूप में जाना जाता है। तब विश्वविद्यालय के हजारों छात्र छाते खोलकर सड़कों पर बैठते थे। आज के आंदोलन की तरह ही तब उस आंदोलन ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था और उसे भरपूर समर्थन मिला था। लेकिन हांगकांग और बेजिंग की सरकार ने इसकी घोर उपेक्षा की।

इस बार हालात पूरी तरह से अलग हैं। लू किन हेई ने इस बार के आंदोलन जिसमें अब नौजवान पीढ़ी से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हैं, के बारे कहा- जिस तरह से पांच लोगों ने प्रत्यर्पण कानून के विरोध में ऊंची इमारतों से छलांग लगा कर जान दी, उससे इस आंदोलन के मूड का पता चलता है और जैसा कि मेरा कहना है कि सरकार के रूख से लोग बहुत हताश हैं।

उस नाते प्रत्यर्पण कानून के खिलाफ आंदोलन को एक जंग के रूप में देखा जा सकता है। हांगकांग के घटनाक्रम पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय चिंता जाहिर कर चुका है लेकिन इस चिंता में दम नजर नहीं आता। उलटे अमेरिका तो चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की वाहवाही कर रहा है कि कैसे प्रदर्शनकारियों से निपट लिया गया। आज जब दुनिया में लोकलुभावनवाद का जोर है, लोकतंत्र एक बुरा शब्द हो गया है तो जनता की क्रांति जैसी बात भला कैसे वैश्विक समर्थन पा सकती है?

तभी आशंका है कि चीन क्या अपना ही रास्ता चुनेगा और उसी पर चलेगा, या फिर हांगकांग के लोग नई क्रांति के नए महानायक बनेंगे? एक डर है कि बीजिंग में विरोध आंदोलन करने वाले नौजवानों को चीनी सेना थ्येनआनमन चौक पर जैसा कुचला था क्या वैसा इतिहास दोहरा सकता है? 21 जुलाई को जब हजारों प्रदर्शनकारी बीजिंग दूतावास के एक दफ्तर पर पहुंचे और क्रांतिकारी नारों से उसकी दीवारों को रंग डाला इमारत पर अंडे फेंके और चीनी प्रतीकों को विकृत किया तो इस आंशका ने जोर पकड़ा कि चीन के कम्युनिस्ट नेता इस सबकों कैसे ले रहे होंगे? हांगकांग के लोग अपने अधिकारों और आजादी के लिए दीवाने हुए पड़े हैं और उसे हासिल करने के लिए वे किसी सीमा तक जाते लगते है। प्रदर्शनकारी यह भी मांग कर रहे हैं कि पिछली रैलियों में निहत्थे लोगों पर पुलिस ने जिस तरह से बर्बरता की है, उसकी जांच हो और दोषियों को सजा दी जाए। इसके अलावा प्रदर्शनकारी कैरी लैम के इस्तीफे की मांग पर अड़े हैं, जबकि लैम पद नहीं छोड़ने की जिद पर अड़ी हुई हैं। राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने के नाम पर केंद्रीय सरकार हांगकांग सरकार और पुलिस को पूरा समर्थन दे रही है। जैसे-जैसे हर दिन गुजर रहा है, हाला विकट होते जा रहे हैं। हालांकि लू किन हेई को अभी भी उम्मीदें हैं। वे कहते हैं- 'कोई नहीं जानता कि नतीजा क्या होगा लेकिन वे पुलिस की गोली खाने या गिरफ्तार होकर जेल जाने को तैयार हैं। जो लोग सड़कों पर उतरे हैं वे हांगकांग को हांगकांग ही बनाए रखने के लिए लड़ रहे हैं, उसे चीन का कोई दूसरा शहर बनने देने के लिए नहीं।'

आर्थिकी/कंपनियां

छह दिन बाद शेयर बाजार में तेजी

मुंबई ■ वार्ता

बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के साथ ही वाहन कंपनियों में हुई लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में छह दिन की गिरावट के बाद शुक्रवार को तेजी लौट आयी। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 51.81 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की तेजी में 37,882.79 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 32.15 अंक यानी 0.29 प्रतिशत चढ़कर 11,284.30 अंक पर बंद हुआ। लगातार छह कारोबारी दिवसों तक गिरने के बाद बाजार में तेजी आयी है।

वाहन क्षेत्र के सूचकांक में सबसे ज्यादा लगभग दो प्रतिशत की तेजी रही। सीडीजीएंडएस और बैंकिंग समूहों में भी एक फीसदी से अधिक की तेजी रही। ऊर्जा क्षेत्र का सूचकांक एक प्रतिशत लुढ़क गया। सेंसेक्स की कंपनियों में येस बैंक ने सबसे ज्यादा करीब 10 फीसदी का मुनाफा कमाया। बजाज फाइनेंस के शेयर सात प्रतिशत और हीरो मोटोकॉर्प तथा महिंद्रा एंड महिंद्रा के तीन प्रतिशत से ज्यादा चढ़े। वेदांता में सबसे ज्यादा सवा चार फीसदी की गिरावट रही।

सेंसेक्स 0.20 अंक की मामूली बढ़त में 37,831.18 अंक पर खुला। एशियाई बाजारों में रही गिरावट के दबाव में खुलने के कुछ देर बाद ही यह लाल निशान में चला गया। कारोबार के दौरान 37,690.47 अंक के दिवस के निचले स्तर तक उतरने के बाद बाजार ने एक बार फिर वापसी की। बैंकिंग एवं वित्तीय तथा ऑटो क्षेत्र की कंपनियों में लिवाली से इसे समर्थन मिला।

यूरोपीय बाजारों के तेजी में खुलने से एक समय सेंसेक्स 37,978.07 अंक के दिवस के उच्चतम स्तर पर पहुँच गया। कारोबार की समाप्ति पर यह 51.81 अंक की तेजी में 37,882.79 अंक पर पहुँच गया। सेंसेक्स की 30 में से 17 कंपनियों के शेयर बढ़त में और शेष 13 के गिरावट में रहे। निफ्टी 4.70 अंक की गिरावट में 11,247.45 अंक पर खुला और 11,210.05 अंक के दिवस के निचले स्तर तक उतर गया। कारोबार की समाप्ति से पहले 11,307.60 अंक के दिवस के उच्चतम स्तर से होता हुआ यह गत दिवस की तुलना में 32.15 अंक ऊपर 11,284.30 अंक पर बंद हुआ।

बीएसई में 2,663 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 1,321 में तेजी और 1,187 में गिरावट रही जबकि अन्य 155 कंपनियों के शेयरों के भाव अपरिवर्तित रहे। मझौली और छोटी कंपनियों में भी तेजी रही। बीएसई का मिडकैप 0.53 प्रतिशत चढ़कर 13,856.19 अंक पर और स्मॉलकैप 0.22 प्रतिशत की बढ़त में 13,060.34 अंक पर बंद हुआ।

रिलायंस फाउंडेशन ने किया एक हजार शिक्षकों को पुरस्कृत

मुंबई, वार्ता। रिलायंस इंडस्ट्रीज की सामाजिक कार्यों से जुड़ी रिलायंस फाउंडेशन ने सेंटर फॉर टीचर एक्रेडिटेशन (सेंटा) के टीचिंग प्रोफेशनल्स ओलंपियाड (टीपीओ) 2018 में सफलता हासिल करने वाले एक हजार शिक्षकों को फाउंडेशन पुरस्कार से नवाजा है। सेंटा टीपीओ 2018 के लिए चयनित शिक्षकों को यूनेस्को, यूनिसेफ, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और अन्य संस्थानों के उच्च अधिकारियों ने विभिन्न संगठनों के शीर्ष अधिकारियों की मौजूदगी में सम्मानित किया। इसके उपरांत सेंटा टीपीओ के पांचवें संस्करण का राष्ट्रीय शुभारंभ किया गया। रिलायंस फाउंडेशन ने सेंटा की साझेदारी में फाउंडेशन के अगले शिक्षक पुरस्कार का एलान किया। सेंटा टीपीओ 2019 का आयोजन 14 दिसंबर 2019 से देश के 75 शहरों के अलावा दुबई तथा अबू धाबी में भी होगा ।

ईशा अंबानी ने रिलायंस फाउंडेशन शिक्षक पुरस्कार के बारे में कहा कि इसका उद्देश्य अनुकरणीय शिक्षकों के श्रमसाध्य कार्य और समर्पित प्रयासों का सम्मान करना है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन शिक्षकों को सम्मानित करते हुए गर्व महसूस कर रहा है। श्रीमती अंबानी ने कहा कि देश का भविष्य बनाने के लिए जरुरी कुशलताओं से नवयुवकों को सुसज्जित करने में शिक्षकों की बड़ी अनमोल भूमिका होती है। फाउंडेशन शिक्षकों को उनकी कुशलताएं उन्नत और सुदृढ़ करने में सहयोग के लिए समर्पित है ताकि पूरे देश में शिक्षा की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार हो सके।

चलता है का रवैया छोड़ बदल सकता है की दृष्टि अपनाईः ठाकुर

नई दिल्ली ■ वार्ता

वित्त एवं कार्पोरेट कार्य राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने 'चलता है का रवैया' पीछे छोड़ दिया है और 'बदल सकता है' की दृष्टि अपना ली है और यह सुनिश्चित किया गया है कि प्रौद्योगिकी के लाभ कुछ गिने चुने लोगों तक ही सीमित नःन रहे बल्कि समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे।

श्री ठाकुर ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों,विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को प्रौद्योगिकी का लाभ सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल इंडिया और डिजिटल भुगतान आरंभ किया गया है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रौद्योगिकी के लाभ कुछ गिने-चुने लोगों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे।

डिजिटल और नकदी रहित अर्थव्यवस्था पर एक सम्मेलन श्री ठाकुर ने बताया कि पिछले महीने जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केरल के गुरूवयूर में श्रीकृष्ण मंदिर गए थे तो उन्होंने मंदिर के अनुष्ठानों के लिए डिजिटल लेनदेन के माध्यम से अग्रिम भुगतान किया था। उन्होंने कहा कि अपने इस कार्य के माध्यम से प्रधानमंत्री ने इस विचार को प्रेरित किया कि 'नए भारत में मंदिर, परम्परा और प्रौद्योगिकी का अस्तित्व एक साथ कायम रह सकता है।' उनके इस कार्य ने मंदिर जाने वाले देशभर के लाखों लोगों को डिजिटल माध्यम अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इसी तरह परम्परा का प्रौद्योगिकी से मिलन होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण (डीबीटी) और आधार से जुड़े भुगतान (एएलपी) लागू करते हुए सरकार ने वेतन के भुगतान में होने वाली देरी में कमी कर दी है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है और पैसे के गलत हाथों में जाने पर रोक लगाई है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रत्येक परिवार में डिजिटल साक्षरता सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीण भारत के छह करोड़ व्यस्कों को डिजिटल तौर पर साक्षर बनाने हेतु प्रधानमंत्री ग्रामीण साक्षरता अभियान (पीएमजीडीआईएसएचए) शुरू किया है, जिनमें से एक करोड़ से ज्यादा लोगों को पहले ही प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। श्री ठाकुर ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने 'भारत में भुगतान एवं निपटान प्रणालियां: विजन-2019-20' जारी किया है, जिसका लक्ष्य भारत को कैश-लाइट अर्थव्यवस्था में रूपांतरित करना तथा देश में संरक्षित और सुरक्षित अत्याधुनिक भुगतान एवं निपटान प्रणालियां सुनिश्चित करना है।

समाचार खास

नीति में निर्यात केंद्रित वृद्धि पर होगा जोरः कांत

नई दिल्ली ■ भाषा

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अब तक आयात प्रतिस्थापन नीति को आगे बढ़ाता रहा है और भविष्य में देश की नीति अनिवार्य रूप से निर्यात आधारित वृद्धि पर केंद्रित होगी। आयात प्रतिस्थापन से आशय आयात के बजाय घरेलू खपत के लिये स्थानीय स्तर पर संबंधित उत्पाद के उत्पादन को प्रोत्साहित करने से है। आईएएमएआई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कांत ने कहा कि भारत के पास इलेक्ट्रानिक उत्पादों के लिये वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की बड़ी क्षमता है। उन्होंने कहा, ''अब तक हम आयात प्रतिस्थापन पर जोर देते रहे हैं। हमारी नीति अब अनिवार्य रूप से निर्यात आधारित वृद्धि पर केंद्रित होगी।''

कांत ने कहा कि इलेक्ट्रानिक्स के लिये राष्ट्रीय नीति, 2019 में भारत से निर्यात होने वाले इलेक्ट्रानिक्स वस्तुओं को चिन्हित किया गया है। मोबाइल उपकरण सबसे बड़ा खंड है। उन्होंने कहा, ''इसीलिए सरकार ने समिति गठित की है जिसमें नीति आयोग के सीईओ, वित्त सचिव, डीआईपीपी सचिव, एमईआईटीवाई सचिव शामिल हैं... हम सभी मिलकर काम कर रहे हैं कि कैसे हम बड़े पैमाने पर विनिर्माण करने वाले बन सकते हैं, कैसे भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का अभिन्न हिस्सा बना सकते हैं।''

कांत ने जोर देकर कहा कि सरकार देश में इलेक्ट्रानिक्स उत्पादों के विनिर्माण के लिये अनुकूल वातावरण सृजित करने के लिये प्रतिबद्ध हैं। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2024 तक देश की अर्थव्यवस्था को 5,000 अरब डालर तक पहुंचाने का दृष्टिकोण दिया है। इसको ध्यान में रखते हुए हम इस दिशा में प्रयास करेंगे और वृद्धि को गति देंगे।

वाहन उद्योग मंदी का झटका:

मारुति का एकल शुद्ध लाभ 32 प्रतिशत गिरा

नई दिल्ली, वार्ता। देश के यात्री कार बाजार में अग्रणी कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया लिमिटेड पर वाहन उद्योग में छाई मंदी का असर पड़ा है। कंपनी के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के परिणामों में एकल खरा मुनाफा पिछले साल की इसी अवधि के 2015 करोड़ रुपए की तुलना में 31.67 प्रतिशत की भारी गिरावट से 1376.80 करोड़ रुपए रह गया।

तिमाही परिणामों की शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने कहा है कि तिमाही के दौरान बिक्री से होने वाली आय 14 प्रतिशत गिरी और 18378.8 करोड़ रुपए रह गई।

कंपनी के वाहनों की बिक्री समाप्त तिमाही में पिछले साल की तुलना में 17.9 प्रतिशत घटकर कुल चार लाख दो हजार 594 रह गई। घरेलू बाजार में बिक्री 19.3 प्रतिशत घटकर तीन लाख 74 हजार 481 वाहन रह गई । निर्यात 28 हजार 113 वाहनों का हुआ।

विदेशी मुद्रा भंडार 430 अरब डॉलर के पार

मुंबई, वार्ता। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 1.58 अरब डॉलर बढ़कर पहली बार 430 अरब डॉलर के पार 430.38 अरब डॉलर पर पहुँच गया। इससे पहले 12 जुलाई को समाप्त सप्ताह में यह 1.11 अरब डॉलर घटकर 428.80 अरब डॉलर पर रहा था। इसका पिछला उच्चतम स्तर 05 जुलाई को समाप्त सप्ताह में दर्ज किया गया था जब यह 429.91 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आँकड़ों के अनुसार, 19 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.39 अरब डॉलर बढ़कर 401.09 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान स्वर्ण भंडार 24.30 अरब डॉलर पर स्थिर रहा। आलोच्य सप्ताह के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 18.86 अरब डॉलर बढ़कर 3.53 अरब डॉलर पर पहुँच गया जबकि विशेष आहरण अधिकार 33 लाख डॉलर की गिरावट में 1.45 अरब डॉलर रह गया।

ऊषा इंटरनेशनल के प्रीमियम ब्रांड तिस्वा का नया स्टूडियो

नई दिल्ली, वार्ता। ऊषा इंटरनेशनल लिमिटेड ने लाइटिंग के अपने प्रीमियम ब्रांड 'तिस्वा' की बढ़ती मांग और ग्राहकों को नजदीक के इलाके में इस श्रखंला को उपलब्ध कराने के विस्तार कार्यक्रम के तहत पश्चिमी दिल्ली के कीर्ति नगर में नया लाइटिंग स्टूडियो खोला है । इसे मिलाकर कंपनी के देशभ्र में 13 लाइटिंग स्टूडियो' 50 से अधिक लाइटिंग बुटीक और एक से ज्यादा खुदरा केंद्र हो गए हैं। ऊषा इंटरनेशनल के लाइटिंग और प्रीमियम पंखे कारोबार के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास गांधी ने नया स्टूडियो खोले जाने के अवसर पर कहा कि उत्पादों की बढ़ती मांग और उपभोक्ता निकट के इलाके में इन्हें उपलब्ध कराने की कंपनी की मुहिम है और यह स्टूडियो इस दिशा में काफी सहायक होगा। श्री गांधी ने कहा कि वर्तमान में ग्राहक प्रीमियम उत्पादों के प्रति अधिक आकर्षत हो रहे हैं और नये स्टूडियो ने कंपनी को शहर के केंद्र में पहुंचा दिया है।उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि इस स्टूडियो के खुल जाने से कंपनी को अपना प्रीमियम कारोबार और विस्तार करने में मदद मिलेगी।

टाइटन बायोटेक लिमिटेड
CIN: L74999RJ1992PLC013387
पंजी. कार्यालयः ए-902ए, रीको इंडस्ट्रियल, एरिया, फेज-III, भिवाड़ी-301019
ई-मेलः cs@titanbiotechltd.com फोनः 011-27355742
वेबसाईटः www.titanbiotechltd.com

भौतिक शेयर हस्तांतरण के लिए सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी उल्लिखित प्रतिभूतियों के लिए प्रमाणपत्र(ओं)दस्तावेजों के विस्थापन के कारण विलंबित होने पर आवेदन किया है। किसी भी व्यक्ति को, इस हस्तांतरण के संबंध में कोई आपत्ति है, उसे इस तारीख से 30 दिनों के भीतर अपने पंजीकृत कार्यालय में कंपनी के साथ इस तरह के दावे को प्रस्तुत करना चाहिए, अन्यथा कंपनी बिना किसी और सूचना के शेयरों को स्थानांतरित करने के लिए आगे बढ़ेगी।

धारको का नाम	प्रतिभूतियों और अंकित मूल्य के प्रकार	प्रतिभूतियों की संख्या	डिसटिन्कटिव नं.	हस्तांतरी का नाम
गीतांजलि टंडन	इक्विटी शेयरा (रु. 10/- प्रत्येक अंकित मूल्य)	200 शेयर	2191771-2191870 2191871-2191970	सुभाष चंद्र गोयल

कृते टाइटन बायोटेक लिमिटेड
हस्ता/-
चरनजीत सिंह
कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी
दिनांकः 25.07.2019
स्थानः दिल्ली